मेवाड़ में पुलिस की नारी सशक्तीकरण पर संगोष्ठी आयोजित
पुलिस ने छात्राओं को दिया चुप्पी तोड़ने और खुलकर बोलने का संदेश

गाजियाबाद। नारी सुरक्षा सप्ताह के तहत इंदिरापुरम पुलिस ने वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप आॅफ इंस्टीट्यूशंस में छात्राओं को 'चुप्पी तोड़ने और खुलकर बोलने' का संदेश दिया। पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं से कहा कि वह सबकुछ सुरक्षा तकनीक सीख लें लेकिन एक समय में केवल हिम्मत ही काम आती है। छात्राएं हिम्मत से काम लें और दबाव में आये बिना अपने ऊपर होने वाले जुल्म को सहन न करें।

पुलिस क्षेत्राधिकारी डाॅ. राकेश मिश्रा ने पुलिस की कार्यशैली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पुलिस से लोग घबरायें नहीं। बल्कि पुलिस को अपना मित्र समझो और अपराधों पर काबू पाने के लिए जागरूक बनें, पुलिस का साथ दें। मेवाड़ ग्रुप आॅफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डाॅ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि देश के बजट का एक प्रतिशत से भी कम भाग पुलिस पर खर्च होता है। जबकि समाज के अधिकांश काम के लिए पुलिस को जिम्मेदारी दी जाती है। लोगों को पुलिस के बजट को बढ़ाने की मांग करनी चाहिए। मेवाड़ इंस्टीट्यूशंस की निदेशक डाॅ. अलका अग्रवाल ने कहा कि महिलाएं हिम्मती बनें। पुलिस के बजाय अपने स्तर पर समस्याएं सुलझाना सीखें। आज के माहौल में महिलाओं को सुरक्षित होने के लिए स्वयं ही तैयार होना होगा। क्राइम ब्रांच की इंस्पेक्टर लक्ष्मी सिंह चैहान ने पुलिस के ओहदेदारों का परिचय विद्यार्थियों से कराया। इस अवसर पर महिला सशक्तीकरण से जुड़ी एक लघु फिल्म भी दिखाई गई। छात्राओं ने पुलिस अधिकारियों से अनेक प्रश्न भी, जिनके उन्हें समुचित उत्तर भी मिले। संचालन अमित पाराशर ने किया।

नारी सुरक्षा सप्ताह
हम सभी की जिम्मेदारी
सुरक्षा की दिशा में सशक्त कदम
उत्तर प्रदेश पुलिस
2017
लाईन नं. 1090

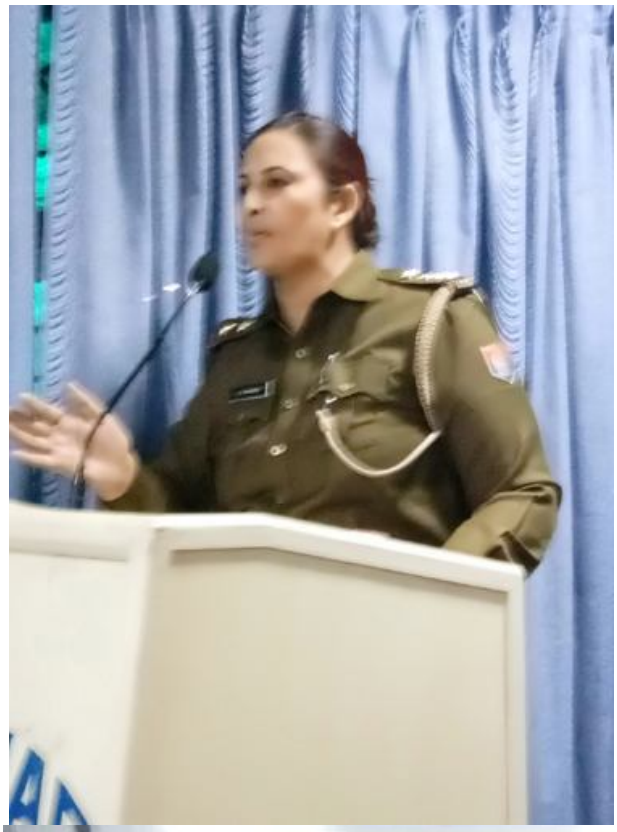

MEWAR